3. भारत से हम क्या सीखे

लेखक परिचय

लेखक → फ्रेड्रिक मैक्समूलर

जन्म → 6 दिसम्बर 1823 ई० को (जर्मनी)

पिता → विल्हेम मैक्समूलर

भाषा अंतरित → हितोपदेश, कठ और केन, तथा उपनिषद का अनुवाद जर्मन भाषा में किया।

→ जब मैक्समूलर 4 वर्ष के थे तब उसके पिता का निधन हो गया था।

→ **मृत्यु -** 28 अक्टूबर सन् 1900 ई०

→ इस भाषन का अनुवादक भवानी शंकर त्रिवेदी है |

पाठ का सारांश

प्रस्तुत शीर्षक "भारत से हम क्या सीखें।" वस्तुतः भारतीय सविल सेवा के चयनित युवा अंग्रेज अधिकारी लोगों को प्रशिक्षण के लिए मैक्समूलर साहब द्वारा दिया गया भाषण का अंश है।

पश्चिम जगत् में भारत के संबंध में सही-सही ज्ञान एवं दृष्टि के प्रणेता विश्वविख्यात विद्वान फ्रेड्रिक मैक्समूलर पहला व्यक्ति थे। उन्होंने भारतीय सभ्यता-संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान, संस्कृत भाषा कला-कौशल आदि का गहराई से अध्ययन किया और दुनियाँ के सामने स्पष्ट किया। स्वामी विवेकानंद ने उन्हें 'वेदांतियों का भी वेदांती' कहा।

सर्वविध संपदा और प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण कौन-सा देश है, यदि आप मुझे इस भूमण्डल का अवलोकन करने के लिए कहें तो बताऊँगा कि वह देश है—भारत। भारत, जहाँ भूतल पर ही स्वर्ग की छटा निखर रही है। यदि यूनानी, रोमन और सेमेटिक जाति के यहूदियों की विचारधारा में ही सदा अवगाहन करते रहनेवाले हम यूरोपियनों को ऐसा कौन-सा साहित्य पढ़ना चाहिए जिससे हमारे जीवन अंतरतम परिपूर्ण अधिक सर्वांगीण, अधिक विश्वव्यापी, यूँ कहें कि संपूर्णतया मानवीय बन

जाये, और यह जीवन ही क्यों, अगला जन्म तथा शाश्वत जीवन भी सुधर जाये, तो मैं एक बार फिर भारत ही का नाम लूँगा।

यदि आपकी अभिरूचि की पैठ किसी विशेष क्षेत्र में है, तो उसके विकास और पोषण के लिए आपको भारत में पर्याप्त अवसर मिलेगा।

यदि आप भू-विज्ञान में रूचि रखते हैं तो हिमालय से श्रीलंका तक का विशाल भू-प्रदेश आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। यदि आप वनस्पति जगत में विचरना चाहते हैं तो भारत एक ऐसी. फुलवारी है जो हकर्स जैसे अनेक वनस्पति वैज्ञानिकों को अनायास ही अपनी ओर आकृष्ट कर लेती है। यदि आपकी रूचि जीव-जन्तुओं के अध्ययन में है तो आपका ध्यान श्री हेकल की ओर अवश्य होगा, जो इन दिनों भारत के कान्तारों की छानबीन के साथ ही भारतीय समुद्रतट से मोती भी बीन रहे हैं।

यदि आप नृवंश विद्या में अभिरूचि रखते हैं तो भारत आपको एक जीता-जागता संग्रहालय ही लगेगा। यदि आप पुरातत्व प्रेमी हैं, और यदि आपने यहाँ रहते हुए पुरातत्व के द्वारा एक प्राचीन चाकू या चकमक या किसी प्राणी का कोई भाग ढूंढ़ निकालने के आनन्द का अनुभव किया हो तो आपको जनरल कर्मिघम की भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की वार्षिक रिपोर्ट पढ़ लेनी चाहिए और तब भारत के बौद्ध सम्राटों के द्वारा निर्मित (नालन्दा जैसे) विश्वविद्यालयों अथवा विहारों के ध्वंसावशेषों को खोद निकालने के लिए आपका फावड़ा आतुर हो उठेगा।

यदि आपके मन में पुराने सिक्कों के लिए लगाव है, तो भारतभूमि में ईरानी, केरियन, थेसियन, पार्थियन, यूनानी, मेकेडिनियन, शकों, रोमन और मुस्लिम शासकों के सिक्के प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होंगे। दैवत विज्ञान पर भारत के प्राचीन वैदिक दैवत विज्ञान के कारण जो नया प्रकाश पड़ा है, उसके फलस्वरूप संपूर्ण दैवत विज्ञान को नया स्वरूप प्राप्त हो गया है। ”

नीति कथाओं के अध्ययन क्षेत्र में भी भारत के कारण नवजीवन का संचार हो चुका है, क्योंकि भारत के कारण ही समय-समय पर नानाविध साधनों और मार्गों के द्वारा अनेक नीति कथाएँ पूर्व से पश्चिम की ओर आती रही हैं।

आपमें से कइयो ने भाषाओं को हीन नहीं, भाषा विज्ञान का भी अध्ययन किया होगा। तो आपको क्या भारत से बढ़कर दूसरा कोई देश दिखाई देता है जहाँ केवल शब्दों का ही नहीं, बल्कि व्याकरणात्मक तत्त्वों के विकास और लय से संबद्ध भाषावैज्ञानिक समस्याओं के अध्ययन का ।

महत्त्वपूर्ण अवसर प्राप्त हो सके यदि आप विधिशास्त्र या कानून के विद्यार्थी हैं तो आपको विधि-संहिताओं के एक ऐसे इतिहास की जाँच-पड़ताल का अवसर मिलेगा जो यूनान, रोम या जर्मनी के ज्ञात विधिशास्त्रों के इतिहास से सर्वथा भिन्न होते हुए भी इनके साथ समानताओं और विभिन्नताओं के कारण विधिशास्त्र के किसी भी विद्यार्थी के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

यदि आप लोगों को अत्यंत सरल राजनैतिक इकाइयों के निर्माण और विकास से संम्बद्ध प्राचीन युग के कानून के पुरातन रूपों के बारे में इधर जो अनुसंधान हुए हैं, उनके महत्त्व और वैशिष्ट्य को परख सकने की क्षमता प्राप्त करनी है, तो आपको इसके लिए आज भारत की ग्राम पंचायतों के रूप में इसके प्रत्यक्ष दर्शन का सुयोग अनायास ही मिल जाएगा। भारत में प्राचीन स्थानीय शासन प्रणाली या पंचायत प्रथा को समझने-समझाने का बहुत बड़ा क्षेत्र विद्यमान है। भारत ब्राह्मण या वैदिक धर्म की भूमि है, बौद्धधर्म जन्मस्थली है। पारसियों के धर्म जरथुस्ट्र की यह शरणस्थली है। आज भी यहाँ नित्य नये मत-मतान्तर प्रकट व विकसित होते रहते हैं।

संस्कृत की सबसे पहली विशेषता है इसकी प्राचीनता क्योंकि हम जानते हैं कि ग्रीक भाषा से भी संस्कृत का काल पुराना है। संस्कृत में चूहा को मूषः कहते हैं। ग्रीक में मूस, लैटिन में मुस, पुरानी स्लावोनिक में माइस और पुरानी उच्च जर्मन में मुस कहते हैं।

'मैं हूँ' जैसे भाव को व्यक्त करने के लिए भला किन्हीं दूसरी भाषाओं में 'अस्मि' जैसा । शुद्ध और उपयुक्त शब्द कहाँ मिल पाएगा।
मैं इसे ही वास्तविक अर्थों में इतिहास मानता हूँ और यह एक ऐसा इतिहास है जो राज्यों के दुराचारों और अनेक जातियों की क्रूरताओं की अपेक्षा कहीं अधिक ज्ञातव्य और पठनीय है। हम सब पूर्व से आये हैं। हमारे जीवन में जो भी कुछ अत्यधिक मूल्यवान है, वह हमें पूर्व से मिला है और पूर्व को पहचान लेने से ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को जिसने इतिहास की वास्तविक शिक्षा कुछ लाभ उठाया है, भले ही वह प्राच्य-विद्या-विशारद न भी हो तो भी यह अनुभव अवश्य होगा कि वह नानाविध स्मृतियों से भरे अपने पुराने घर की ओर जा रहा है। यदि आप लोग चाहें तो भारत के बारे में वैसे ही सुनहरे सपने देख सकते हैं और भारत पहुँचने के बाद एक से बढ़कर एक शानदार काम भी कर सकते हैं।

3. भारत से हम क्या सीखे

Short answer question

1. (i) **समस्त भूमंडल में सर्वाधिक संपदा और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण देश भारत है। लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ?**

उत्तर - लेखक मैक्समूलर ने भारत को सर्वाधिक संपन्न और सौंदर्य से परिपूर्ण देश का दर्जा दिया है। उनकी दृष्टि में भारत प्रत्येक दृष्टि से संपन्न है। भारत ज्ञान- विज्ञान, साहित्य, कला, दर्शन, अध्यात्म, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण देश है। यहाँ की प्रकृति ऐसी है मानो भूतल पर ही स्वर्ग की छटा निखर गई हो।

(ii) **मैक्समूलर ने भारतीय साहित्य को पढ़ने की सलाह क्यों दी है ?**

उत्तर - भारतीय साहित्य में अंतरतम को परिपूर्ण, अधिक सर्वांगीण, अधिक विश्वव्यापी और मानवीय बनाने तथा अलग जीवन एवं शाश्वत जीवन में सुधार लाने की अद्भुत क्षमता है। अतः, मैक्समूलर ने भारतीय साहित्य को पढ़ने की सलाह दी है।

(iii) **मैक्समूलर की दृष्टि में मनन करने योग्य क्या है ?**

उत्तर - भारतीय मनीषियों ने ज्ञान का सर्वप्रथम साक्षात्कार किया था और जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं पर विचार कर उनके समाधान ढूँढ़ निकाले थे। मैक्समूलर की दृष्टि में उपर्युक्त भारतीय दार्शनिक उपलब्धियाँ मनन करने योग्य हैं।

(iv) **प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से उद्धृत है तथा इसके लेखक कौन हैं ?**

उत्तर - प्रस्तुत गद्यांश 'भारत से हम क्या सीखें' पाठ से उद्धृत है। इसके लेखक मैक्समूलर हैं।

(v) **लेखक ने भारत की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है ?**

उत्तर - लेखक मैक्समूलर ने भारत की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लिखा है कि यहाँ सर्वत्र स्वर्ग का सौंदर्य बिखरा हुआ है। यह महान दार्शनिकों और विचारकों का देश है। यहाँ का उत्कृष्ट साहित्य मानव को सच्चे अर्थों में मानव बनाता है और उसके अंगले जन्म और शाश्वत जीवन को सुधारता है।

(vi) **प्लेटो और कांट जैसे दार्शनिकों का भी अध्ययन करनेवालों को क्या मनन करने योग्य है और क्यों?**

उत्तर - प्लेटो और कांट जैसे दार्शनिकों का अध्ययन करनेवालों को यह मनन करने योग्य है कि भारत में जीवन की जटिलतम समस्याओं पर गंभीर चिंतन कर उनके हल किस प्रकार प्रस्तुत किए गए हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि प्लेटो और कांट ने जीवन की जटिल समस्याओं पर भारतीय मनीषियों की तरह व्यापक एवं गंभीर चिंतन नहीं किया है।

2. (i) भारतभूमि में किन शासकों के सिक्के प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं?

उत्तर - भारतभूमि में ईरानी, कोरियन, थ्रेसियन, पार्थियन, यूनानी, मेकेडिनियन, शकों, रोमन और मुसलिम शासकों के सिक्के प्रचुर परिमाण में उपलब्ध हैं।

(ii) वारेन हेस्टिंग्स कौन था ? उसे सोने के सिक्कों से भरा घड़ा कहाँ मिला था? उसने सोने के सिक्कों को किसकी सेवा में प्रस्तुत कर दिया ? उसने ऐसा क्यों किया ?

उत्तर - वारेन हेस्टिंग्स भारत का गवर्नर-जनरल था। उसे वाराणसी के पास सोने के सिक्कों से भरा एक घड़ा मिला था। उसने सोने के सिक्कों से भरे घड़े को ईस्ट इंडिया कंपनी के निदेशक मंडल की सेवा में प्रस्तुत कर दिया। अपने मालिकों की दृष्टि में महान ईमानदार व्यक्ति होने के लोभ में उसने ऐसा किया।

3. (i) भाषाविज्ञान के अब तक के निष्कर्ष किस भाषा की सहायता के बिना संभव नहीं थे?

उत्तर - भाषाविज्ञान के अब तक के निष्कर्ष संस्कृत भाषा की सहायता के बिना संभव नहीं थे।

(ii) इतिहास का अध्ययन हमें किस योग्य बनाता है?

उत्तर - इतिहास का अध्ययन हमें प्रत्न मानव (पुरातन मानव) तथा वास्तविक पूर्व को पहचानने के योग्य बनाता है।

(iii) इतिहास के अध्ययन से मनुष्य किस रूप में लाभान्वित होता है?

उत्तर - इतिहास के अध्ययन से मनुष्य विश्व में अपना वास्तविक स्थान निश्चित कर पाता है। उसे इसके माध्यम से यह पता चलता है कि उसने अपनी जीवन यात्रा की शुरुआत कहाँ से की थी और उसे कहाँ पहुँचना है।

4. (i) भारत किस प्रकार अतीत और सुदूर भविष्य को जोड़ता है? स्पष्ट करें।

उत्तर - भारत की संस्कृति विश्व की प्राचीन संस्कृतियों में एक है। यहाँ के चिंतन और आचरण में आज भी प्राचीन संस्कृति के रंग वर्तमान हैं। भारत की संस्कृति ठहरी हुई संस्कृति नहीं है, यह सतत विकासशील है। भारतीय संस्कृति के इसी विकासशील स्वरूप में भविष्य की अनेक संभावनाएँ वर्तमान हैं। भारत से परिचित होने का अर्थ है इसकी संस्कृति की प्राचीन सुवास से परिचित होना तथा इसके सतत विकासशील स्वरूप के कारण भविष्य की संभावनाओं से परिचित होना। इसी अर्थ में मैक्समूलर ने कहा है कि भारत अतीत और सुदूर भविष्य को जोड़ता है।

(ii) मैक्समूलर ने भारत को किस रूप में देखा है?

उत्तर - मैक्समूलर ने भारत को एक प्रयोगशाला के रूप में देखा है, क्योंकि यहाँ सीखने या सिखाने योग्य सारी बातें उपलब्ध हैं। कोई समस्या जो लोकप्रिय शिक्षा, उच्च शिक्षा, संसार में प्रतिनिधित्व, विधि-निर्माण आदि से संबद्ध हैं, भारतरूपी प्रयोगशाला में उसकी जानकारी प्राप्त की जा सकती है, उसका विश्लेषण किया जा सकता है और उसे दूसरों को बताया जा सकता है। जिस तरह प्रयोगशाला में वैज्ञानिक प्रक्रिया के माध्यम से विश्लेषण के आधार पर एक सत्य की प्राप्ति होती है, उसी प्रकार भारत भी इस प्रयोगशाला के समान है जिसमें जीवन के विविध क्षेत्रों की जानकारी ली जा सकती है और जीवन में अपेक्षित सुधारात्मक परिवर्तन लाने के लिए उस जानकारी को दूसरों तक पहुँचाया जा सकता है।

(iii) मैक्समूलर ने संस्कृत भाषा की महत्ता को किस रूप में प्रतिपादित किया है?

उत्तर - संस्कृत भाषा चिंतन की गंभीर धारा में अवगाहन का अवसर प्रदान करती है। संस्कृत-जैसी गंभीर चिंतन परंपरा संभवतः यूरोप की किसी भी भाषा में उपलब्ध नहीं है। संस्कृत भाषा में मानवीय संवेदनाओं और मानवीय संस्कारों को जागरित करने की अद्भुत क्षमता है।

(iv) "वहाँ आपको ऐसे सुअवसर भी मिलेंगे जो किसी पुरातन विश्व में ही सुलभ हो सकते हैं। इस कथन का आशय स्पष्ट करें।

उत्तर - भारत प्राचीन संस्कृति की धरोहरों का देश है। यहाँ प्राचीनकालीन मानवीय मूल्य और आदर्श आज भी सुरक्षित हैं। यहाँ की सोच और प्रवृत्ति में नैतिकता का आग्रह आज भी वर्तमान है। प्रेम, श्रद्धा, सहानुभूति, सदाशयता आदि भारतीय संस्कृति के गुण हैं, जिनके दर्शन आज भी भारत में होते हैं। पुरातन विश्व का निश्छल और निष्कपट व्यवहार और संवेदनापूर्ण आचरण आज भारत में सर्वत्र देखने को मिल जाएँगे। इसी तथ्य को मैक्समूलर ने अभिव्यक्त किया है।

5. सच्चा दैवत विज्ञान क्या है? इसकी व्यापक रूपरेखा सही ढंग से कहाँ निर्मित हो सकती है ?

उत्तर - 'दैवत विज्ञान' देव विज्ञान को कहते हैं। सच्चा दैवत विज्ञान पुरातन और अधुनातन संदृष्टियों का समन्वय है। भारत में ही इसकी व्यापक रूपरेखा सही ढंग से निर्मित हो सकती है।

6. लेखक ने 'नया सिकंदर' किसे कहा और क्यों?

उत्तर - लेखक मैक्समूलर ने भारतीय सिविल सेवा हेतु चयनित युवा अँगरेज अधिकारियों को 'नया सिकंदर' कहा है। सिकंदर राजनैतिक विजय के लिए भारत आया था। पर इन 'नए सिकंदर' को सांस्कृतिक जीत के लिए प्रयास करना होगा, क्योंकि भारत में इतिहास और साहित्य के क्षेत्र में शोध और अनुसंधान का अनगिनत अवसर हैं।

Long Answer Type

1. (i) समस्त भूमंडल में सर्वाधिक संपदा और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण देश भारत है। लेखक ने ऐसा क्यों कहा है? लेखक (मैक्समूलर) ने भारतीय साहित्य पढ़ने की सलाह क्यों दी है?

उत्तर - लेखक ने भारत को सर्वाधिक संपन्न और सौंदर्य से परिपूर्ण देश का दर्जा दिया है। मैक्समूलर की दृष्टि में भारत प्रत्येक दृष्टि से संपन्न है। भारत ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, कला, दर्शन, अध्यात्म, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण देश है। यहाँ की प्रकृति ऐसी है मानो भूतल पर ही स्वर्ग की छटा निखर गई हो।

भारतीय साहित्य में अंतरतम को परिपूर्ण, अधिक सर्वांगीण, अधिक विश्वव्यापी और मानवीय बनाने, अगला जीवन एवं शाश्वत जीवन में सुधार लाने की अद्भुत क्षमता है। अतः, मैक्समूलर ने भारतीय साहित्य को पढ़ने की सलाह दी है।

(ii) भारत के साथ यूरोप के व्यापारिक संबंध के प्राचीन प्रमाण लेखक ने क्या दिखाए हैं ?

उत्तर - भारत के साथ यूरोप के व्यापारिक संबंध थे, इनके प्रमाण के रूप में लेखक ने भारत एवं यूरोप के देशों में प्रचलित नीतिकथाओं, दंतकथाओं और 'शाहनामा' को आधार बनाया है।

2. (i) 'भारत से हम क्या सीखें' शीर्षक आलेख का प्रतिपाद्य क्या है? स्पष्ट करें।

उत्तर - 'भारत से हम क्या सीखें' शीर्षक आलेख का प्रतिपाद्य है नई पीढ़ी को देश की सांस्कृतिक समृद्धि से परिचित कराकर उन्हें देश के उत्थान के लिए प्रेरित करना और अपने देश के प्रति कर्तव्यबोध से परिपूर्ण करना।

(ii) चूहा के लिए आर्य भाषाओं में कौन-से शब्द प्रचलित हैं? इससे आलेखकार किस निष्कर्ष पर पहुँचता है?

उत्तर - 'चूहा' के लिए संस्कृत में 'मूषः', ग्रीक में 'मूस', लैटिन में 'मुस', पुरानी स्लावोनिक में 'माइस' तथा पुरानी उच्च जर्मन में 'मुस' जैसे शब्द मिलते हैं। इस भाषिक साम्य के आधार पर आलेखकार (फ्रेड्रिक मैक्समूलर) इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि प्राचीन युग में चूहा ज्ञात था और उसका 'मूस' नाम भी रख दिया गया था।

(iii) धर्म की दृष्टि से भारत का क्या महत्त्व है ? 'भारत से हम क्या सीखें' पाठ के आधार पर बताएँ।

उत्तर - धर्म की दृष्टि से भारत का विशिष्ट महत्त्व है। यहाँ धर्म का वास्तविक उद्भव और स्वाभाविक विकास हुआ। अनेक धर्मों के बीच निर्द्वद्व भाव का होना भारत की धार्मिक दृष्टि की विशेषता है।

(iv) भारत किस अतीत और सुदूर भविष्य को जोड़ता है? स्पष्ट करें।

उत्तर - भारतीय संस्कृति के विकासशील स्वरूप में भविष्य की अनेक संभावनाएँ वर्तमान हैं। भारत अपने समृद्ध अतीत को सुदूर भविष्य की समृद्धतर संभावनाओं के साथ जोड़ता है।

3. (i) मैक्समूलर ने संस्कृत की कौन-सी विशेषताएँ और महत्त्व बतलाए हैं ?

उत्तर - संस्कृत भाषा में मानवीय संवेदनाओं और मानवीय संस्कारों को जागरित करने की अद्भुत क्षमता है। यह भाषा चिंतन की गंभीर धारा में अवगाहन का अवसर प्रदान करती है। यह सारी आर्य भाषाओं की अग्रजा है।

(ii) संस्कृत और दूसरी भारतीय भाषाओं के अध्ययन से पाश्चात्य जगत को क्या-क्या प्रमुख लाभ हुए?

उत्तर - संस्कृत और दूसरी भारतीय भाषाओं के अध्ययन से पाश्चात्य जगत की ऐतिहासिक चेतना में एक नया अध्याय जुड़ गया तथा मानवजाति के संबंध में उसके विचारों में व्यापकता और उदारता का समावेश हुआ। वह मानवजाति के संपूर्ण इतिहास के वास्तविक रूप से परिचित हुआ तथा उसमें आत्मिक संस्कारों के प्रति आकर्षण बढ़ा।

(iii) लेखक मैक्समूलर ने भारत के लिए नवागंतुक अधिकारियों को किसकी तरह सपने देखने के लिए प्रेरित किया, और क्यों ?

उत्तर - लेखक मैक्समूलर ने नवागंतुक अधिकारियों को सर विलियम जोन्स जैसे सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। सर विलियम जोन्स ने मानव मस्तिष्क की उत्कृष्टतम उपलब्धियों का साक्षात्कार करानेवाले भारत की प्रतिभा को उद्घाटित कर उससे संपूर्ण मानवजाति को लाभान्वित करने का सपना देखा है। नवागंतुक अधिकारी भी जोन्स के अनुगामी बनकर मानवता का उपकार कर सकते हैं।

(iv) भारत को पहचान सकनेवाली दृष्टि की आवश्यकता किसके लिए वांछनीय है, और क्यों ?

उत्तर - भारत को पहचान सकनेवाली दृष्टि की आवश्यकता भारतीय सिविल सेवा न हेतु चयनित युवा अँगरेज अधिकारियों को है, क्योंकि ज्ञान-विज्ञान, दर्शन, साहित्य- कला तथा सांस्कृतिक वैभव से परिपूर्ण भारत को समझकर ही ये भारत में एक – से - बढ़कर एक शानदार और अविस्मरणीय काम कर सकते हैं।

(v) लेखक ने किन विशेष क्षेत्रों में अभिरुचि रखनेवालों के लिए भारत का प्रत्यक्ष ज्ञान आवश्यक बताया है?

उत्तर - लेखक ने भू-विज्ञान, वनस्पतिविज्ञान, जीवविज्ञान, पुरातत्त्वविज्ञान, नृवंश विज्ञान, दैवत विज्ञान, भाषाविज्ञान, मानवशास्त्र, धर्मशास्त्र, साहित्यशास्त्र, कला- शिल्प, कथा साहित्य, अर्थशास्त्र, इतिहास आदि के विशेष क्षेत्रों में अभिरुचि रखनेवालों के लिए भारत का प्रत्यक्ष ज्ञान आवश्यक बताया है।

(vi) निबंधकार मनुष्य के नाखून की ओर देखकर कभी-कभी निराश क्यों हो जाता है ?

उत्तर - निबंधकार (आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी) मनुष्य के नाखून की ओर देखकर कभी-कभी निराश इसलिए हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि ये नाखून उसकी भयंकर पाशविक वृत्ति के जीवंत प्रतीक हैं। न जाने कब उसकी पाशविक वृत्ति भड़क जाए और सर्वत्र विनाश का रौद्र नृत्य होने लगे।

3. भारत से हम क्या सीखे

1. भारत से हम क्या सीखे' के रचनाकार हैं-

(A) मैक्समूलर

(B) गुणाकर मुले

(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(D) पं० बिरजू महाराज

Ans – A

2. 'भारत से हम क्या सीखें' क्या है?

(A) निबंध

(B) कहानी

(C) भाषण

(D) व्यक्ति चित्र

Ans – C

3. मैक्समूलर थे-

(A) भारतभक्त

(B) संस्कृतानुरागी

(C) वेदों के प्रति अगाध आस्था रखने वाले

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – D

4. मैक्समूलर के पिता का क्या नाम था?

(A) विरहमूलर

(B) विल्हेय मूलर

(C) विल्हेल्म मूलर

(D) विदेनमूलर

Ans – C

5. विश्वविख्यात विद्वान फ्रेड्रिक मैक्समूलर का जन्म कहाँ हुआ था?

(A) भारत

(B) जर्मनी

(C) इंगलैंड

(D) रूस

Ans – B

6. स्वामी विवेकानंद ने 'वेदान्तियों का वेदान्ती' किसे कहा है?

(A) टी० एस० इलियट को

(B) दयानंद सरस्वती को

(C) मैक्समूलर को

(D) राजा राममोहन राय को

Ans – C

7. मैक्समूलर ने ..... वर्ष की अवस्था में लिपजिंग विश्वविद्यालय में संस्कृत का अध्ययन प्रारंभ किया।

(A) पन्द्रह

(B) सोलह

(C) सत्रह

(D) अठारह

Ans – D

8. मैक्समूलर का जन्म कब हुआ था?

(A) 6 दिसम्बर, 1813 ई०

(B) 6 दिसम्बर, 1823 ई०

(C) 6 दिसम्बर, 1833 ई०

(D) 6 दिसम्बर, 1843 ई०

Ans – B

9. मैक्समूलर ने नया सिकन्दर किसे कहा है?

(A) विलियम जोन्स को

(B) वारेन हेस्टिंग्स को

(C) हकर्स को

(D) युवा अंग्रेज अधिकारियों को

Ans – D

10. मैक्समूलर के अनुसार भारत की सबसे प्राचीन भाषा कौन है?

(A) हिन्दी

(B) बंगला

(C) मैथिली

(D) संस्कृत

Ans – D

11. सर विलियम जोन्स समुद्र यात्रा करते हुए भारत कब पहुंचे थे?

(A) 1823 ई०

(B) 1783 ई०

(C) 1900 ई०

(D) 1794 ई0

Ans – B

12. वारेन हेस्टिंग्स कहाँ का गवर्नर जनरल था?

(A) भारत

(B) श्रीलंका

(C) जर्मनी

(D) यूनान

Ans – A

13. मैक्समूलर की दृष्टि में सर्वविध संपदा और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण कौन-सा देश है?

(A) जर्मनी

(B) यूनान

(C) भारत

(D) श्रीलंका

Ans – C

14. दारिस क्या है?

(A) सोने के सिक्के

(B) चाँदी के सिक्के

(C) ताँबे के सिक्के

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – A

15. दारिस नामक सोने के सिक्कों से भरा घड़ा किसे मिला था?

(A) हेकल

(B) हकर्स

(C) वारेन हेस्टिंग्स

(D) विलियम जोन्स

Ans – C

16. किसके अध्ययन क्षेत्र में भारत के कारण नवजीवन 'का संचार हो चुका है?

(A) विधिशास्त्र

(B) नीति कथा

(C) भाषा विज्ञान

(D) दैवत विज्ञान

Ans – B

17. सर्वविध संपदा और प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण कौन-सा देश है, यदि आप मुझे इस भूमण्डल का अवलोकन करने के लिए कहें तो बताऊंगा कि वह देश है - भारत। यह गद्यांश किस पाठ का है?

(A) विष के दाँत

(B) भारत से हम क्या सीखें

(C) नाखून क्यों बढ़ते हैं

(D) शिक्षा और संस्कृति

Ans – B

18. मैक्समूलर ने 'कठ' और 'केन' आदि उपनिषदों का किस भाषा में अनुवाद किया?

(A) लैटिन भाषा

(B) संस्कृत भाषा

(C) जर्मन भाषा

(D) हिन्दी भाषा

Ans – C

19. 'हितोपदेश' का जर्मन भाषा में अनुवाद किसने प्रकाशित करवाया?

(A) मैक्समूलर

(B) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(C) भारतेन्दु हरिशचन्द्र

(D) यतीन्द्र मिश्र

Ans – A

20. यदि आप भू - विज्ञान में रुचि रखते हैं तो हिमालय से श्रीलंका तक का विशाल भू-प्रदेश आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। यह गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ?

(A) शिक्षा और संस्कृति

(B) भारत से हम क्या सीखें

(C) आविन्यों

(D) नौबतखाने में इबादत

Ans – B

21. मैक्समूलर के अनुसार वह कौन-सा देश है जो हकर्स जैसे अनेक वनस्पति को अनायास ही अपनी ओर आकृष्ट कर लेती है

(A) जर्मनी

(B) श्रीलंका

(C) भारत

(D) नेपाल

Ans – C

22. किस गवर्नर जनरल के समय 172 दारिस नामक सोने से भरा घड़ा मिला था?

(A) लार्ड कॉर्नवालिस

(B) लॉर्ड विलियम वेंटिक

(C) लॉर्ड डलहौजी

(D) वारेन हेस्टिंग्स

Ans – D

23. वारेन हेस्टिंग्स के समय वाराणसी में कितने दारिस नामक सोने के सिक्के मिले थे?

(A) 162

(B) 165

(C) 172

(D) 125

Ans – C

24. कौन-सी भाषा और उसका साहित्य यूनान और रोम के संपूर्ण साहित्य से भी कहीं अधिक विशाल रहा है?

(A) संस्कृत

(B) हिन्दी

(C) अंग्रेजी

(D) ग्रीक

Ans – A

25. प्लेटो और काण्ट का अध्ययन करने वाले यूरोपियन लोगों के मनन योग्य देश है-

(A) जर्मनी

(B) भारत

(C) ग्रीक देश

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – B

25. प्लेटो और काण्ट का अध्ययन करने वाले यूरोपियन लोगों के मनन योग्य देश है—

(A) जर्मनी

(B) भारत

(C) ग्रीक देश

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – B

26. हकर्स थे-

(A) भू-वैज्ञानिक

(B) वनस्पति वैज्ञानिक

(C) रैवत वैज्ञानिक

(D) विधि शास्त्री

Ans – B

27. महारानी विक्टोरिया के द्वारा किसे 'नाइट' की उपाधि प्रदान की गयी थी?

(A) यतीन्द्र मिश्र को

(B) मैक्समूलर को

(C) महात्मा गाँधी को

(D) भवानी शंकर त्रिवेदी को

Ans – B

28. मैक्समूलर के अनुसार सच्चे भारत के दर्शन कहाँ हो सकते हैं?

(A) मुंबई में

(B) दिल्ली में

(C) ग्रामीण भारत में

(D) कोलकाता में

Ans – C

29. 'मेघदूत' का जर्मन में अनुवाद किसने किया?

(A) ईश्वर पेटलीकर

(B) रूसो ने

(C) मैक्समूलर ने

(D) सातकोड़ी होता ने

Ans – C

30. मैक्समूलर को वेदांतियों का भी वेदांती किसने कहा है?

(A) रामकृष्ण परमहंस ने

(B) स्वामी विवेकानंद ने

(C) महात्मा गाँधी ने

(D) राजा राम मोहन राय ने

Ans – B

31. प्लेटो और कान्ट थे—

(A) वीर

(B) महान दार्शनिक

(C) नाविक

(D) सैनिक

Ans – B

32. सच्चा भारत कहाँ बसता है?

(A) गाँवों में

(B) खलिहानों में

(C) बगीचे में

(D) गलियों में

Ans – A

33. 'कठ और केन' का जर्मन भाषा में किसने अनुवाद किया?

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी ने

(B) अशोक वाजपेयी ने

(C) अमरकांत ने

(D) मैक्समूलर ने

Ans – D

34. भारत का सर्वाधिक आबादी कहाँ बसती है?

(A) नगरों में

(B) महानगरों में

(C) गाँवों में

(D) मंदिरों में

Ans – C

35. संस्कृत की पहली विशेषता है इसकी-

(A) प्राचीनता

(B) नवीनता

(C) सरलता

(D) वैज्ञानिकता

Ans – A

36. 'शाहनामा' का रचनाकाल है-

(A) दसवीं-ग्यारहवीं सदी

(B) ग्यारहवीं-बारहवीं सदी

(C) बारहवीं-तेरहवीं सदी

(D) नवमी-दसवीं सदी

Ans – A

37. 'नृवंश विद्या' का संबंध किससे है?

(A) खगोल विज्ञान से

(B) मानव विज्ञान से

(C) वनस्पति विज्ञान से

(D) भूगर्भ विज्ञान से

Ans – B

38. मैक्समूलर ने कालिदास की किस पुस्तक का जर्मन भाषा में अनुवाद किया?

(A) मालविकाग्निमित्रम् का

(B) अभिज्ञानशाकुंतलम् का

(C) मेघदूत का

(D) रघुवंशम् का

Ans – C